Girls' High School and College, Prayagraj

Work Sheet No. 4

Session – 2020-21

Class 3-A-F

Subject – Hindi

Topic- पाठ-6 अकबर और बीरबल

निर्देश– कृपया अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि सर्वप्रथम बच्चे पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा लघु व दीर्घ प्रश्न-उत्तर याद करें। तत्पश्चात दिए गए अभ्यास कार्य को लिखकर कार्य पूरा करें।

पाठ-6 अकबर और बीरबल

पुराने समय की बात है। भारत में अकबर नाम का एक राजा था। अकबर के दरबार में कई मंत्री थे। वे सभी बुद्धिमान थे और राजा बुद्धिमान लोगों की बहुत इज्जत करता था। उन्हीं मंत्रियों में बीरबल नाम का भी एक मंत्री था जो अकबर का प्रिय मित्र भी था। बीरबल बहुत ही बुद्धिमान, कुशल और सूझ-बूझवाला व्यक्ति था। अकबर उस पर बहुत विश्वास करता था। बीरबल कठिन-से-कठिन समस्या का हल चुटकी बजाकर कर देता था। इसलिए अकबर बीरबल को बहुत चाहता था। कई दरबारी इसी कारण बीरबल से ईर्ष्या भी करते थे। वे सब मौका पाते ही अकबर से बीरबल की शिकायतें करते थे।

एक दिन जब राजा का दरबार लगा हुआ था उस समय एक व्यक्ति आया। वह व्यक्ति एक मूर्तिकार था। वह बोला, "महाराज! मैं आपके सभी दरबारियों को एक चुनौती देने आया हूँ। मैं आपके मंत्रियों की बुद्धि की परीक्षा लूँगा। यदि आपके दरबार के मंत्री मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दे सके तो मुझे इनाम दिया जाना चाहिए।"

अकबर ने कहा "ठीक है, तुम अपनी शर्त बताओ।" तब वह व्यक्ति बोला– "मैं कल आपके दरबार में सभी लोगों के सामने सात मूर्तियों खड़ी करूँगा। वे सब मूर्तियाँ मेरी होंगी। जिनमें छह मूर्तियाँ होंगी और एक मूर्ति के स्थान पर मैं स्वयं खड़ा रहूँगा। आपके मंत्रियों को

मूर्तियाँ देखकर मुझे पहचानना होगा।" राजा के सभी मंत्रियों और दरबारियों ने यह चुनौती स्वीकार कर ली।

अगले दिन उस व्यक्ति की योजना के अनुसार गुप्त तरीके से राजमहल में एक जगह उन मूर्तियों को रखवाया गया। फिर सभी मंत्री राजा सहित उन मूर्तियों को देखने लगे। कोई भी मूर्तिकार को नहीं पहचान पाया। बीरबल दूर खड़े होकर यह सारा दृश्य देख रहे थे। जब सभी मंत्रीगण असफल हो गए तो बीरबल उन मूर्तियों के पास आए और उन्होंने उन मूर्तियों को देखकर उनकी कमियाँ बतानी शुरू कर दीं। वे बोलने लगे कि किसी मूर्ति की नाक टेढ़ी है तो किसी का कान, मुझे लगता है। यह मूर्तियाँ किसी बेवकूफ मूर्तिकार ने बनाई है।

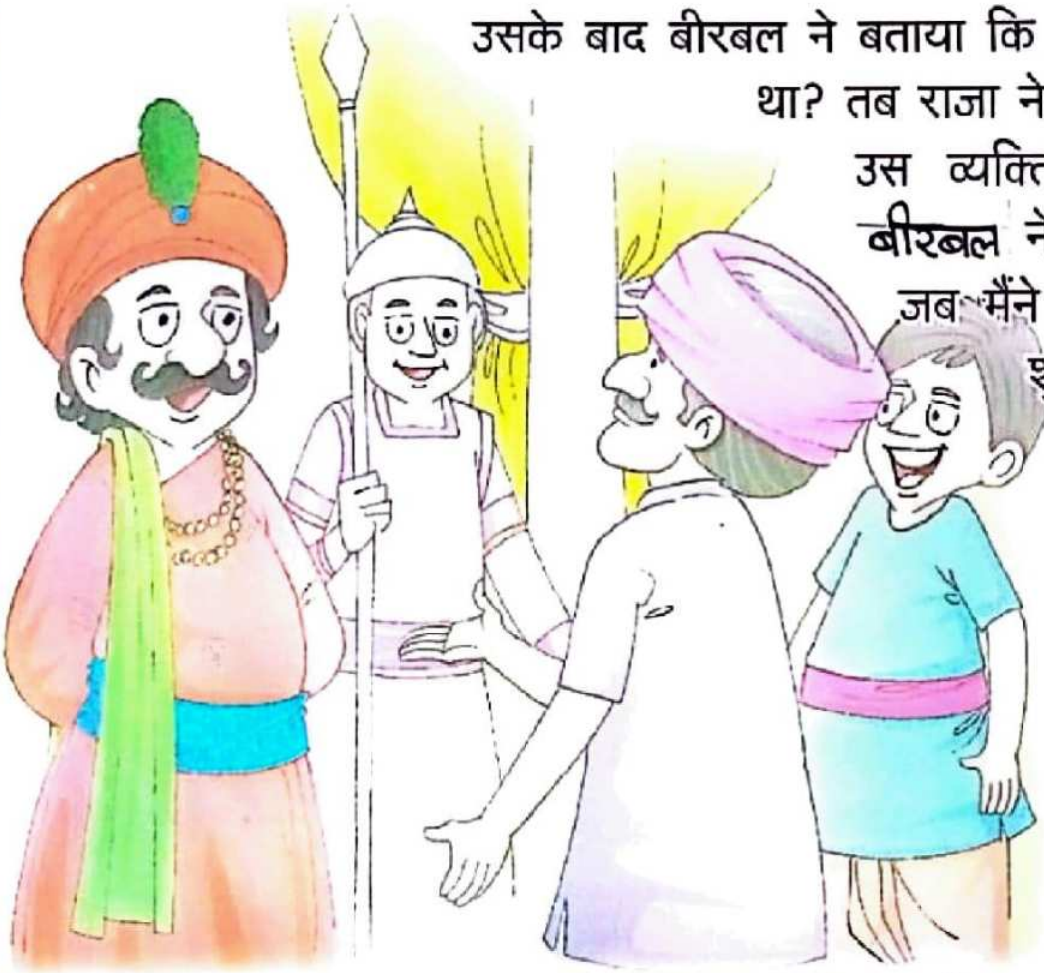

उसके बाद बीरबल ने बताया कि उन मूर्तियों में मूर्तिकार कौन था? तब राजा ने उससे पूछा– "बीरबल, तुमने उस व्यक्ति का पता कैसे लगाया?" **बीरबल** ने कहा– "सीधी-सी बात है, जब मैंने उन मूर्तियों की निंदा करनी शुरू की और उनके बारे में बुरा-भला कहा तो मूर्तिकार की आँखें लाल हो गईं और मैंने उसे पहचान लिया।"

बीरबल की इस चालाकी पर अकबर को बहुत क्रोध आया और उसने बीरबल को महल से बाहर निकाल दिया। बीरबल राजधानी छोड़कर चला गया और एक गाँव में जाकर रहने लगा।

कुछ दिनों बाद अकबर को बीरबल की याद सताने लगी। अब अकबर की सहायता करने वाला कोई नहीं था। अकबर बैठा-बैठा बीरबल के बारे में ही सोचता रहता था कि उसे किस प्रकार ढूँढ़ा जाए। अकबर ने चारों तरफ पता किया। परंतु बीरबल का कोई पता नहीं चला। एक दिन अकबर को एक उपाय सूझा। उसने अपने राज्य में ऐलान करवा दिया कि जो

व्यक्ति राजा के दरबार में आधी धूप, आधी छाया में आएगा, उसे मुँह माँगा इनाम दिया जाएगा।

जिसने भी यह घोषणा सुनी वह बोला– "हमारा राजा पागल हो गया है। भला कोई व्यक्ति आधी धूप और आधी छाया में कैसे उसके पास जा सकता है?"

बादशाह की यह घोषणा बीरबल के कानों तक पहुँच गई। बीरबल ने गाँव के एक बुद्धिमान व्यक्ति को बुलाया और उसे समझा दिया।

अगले ही दिन वह व्यक्ति जिसे बीरबल ने समझाया था सिर पर चारपाई रखकर राजा के पास पहुँचा। उस समय राजा महल के बाहर बाग में बैठा हुआ था। अकबर ने उसे बड़ी हैरानी से देखा और कहा– "तुम सिर पर चारपाई रखकर दरबार में क्यों आए हो?"

वह बोला "महाराज, आपने ही तो कहा था कि जो व्यक्ति आपके पास आधी धूप, आधी छाया में आएगा आप उसे इनाम देंगे। मैं आधी धूप, आधी छाया में आया हूँ। इसलिए मैं इनाम का हकदार हूँ।"

अकबर एकदम समझ गया कि इसके पीछे बीरबल का दिमाग है। अकबर ने उस व्यक्ति को मुँह माँगा इनाम दिया और उससे इस घटना के बारे में पूछा कि यह सब तुमने किसके कहने पर किया है। उस व्यक्ति ने बताया कि इस कला को बतानेवाले बीरबल ही हैं। तब राजा उसके साथ गाँव गए और बीरबल को वहाँ से मनाकर ले आए।

शब्दार्थ स्वयं - अपने-आप; उपाय - तरकीब; घोषणा - ऐलान; चिंतित - परेशान; विश्वास - भरोसा; कुशल - निपुण; उचित - ठीक।

लघु प्रश्न-उत्तर (पढ़ें व याद करें)

प्र०। बीरबल कौन था?
उ० बीरबल अकबर के दरबार में मंत्री था।
प्र०2 अकबर के दरबार में मंत्री कैसे थे?
उ० अकबर के दरबार में सभी मंत्री बहुत बुद्धिमान थे।
प्र०3 एक दिन अकबर के दरबार में चुनौती देने कौन आया?
उ० एक दिन अकबर के दरबार में चुनौती देने एक मूर्तिकार आया।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर (पढ़ें व याद करें)

प्र०। अकबर ने बीरबल को दरबार से क्यों निकाल दिया?
उ० बीरबल की चालाकी पर अकबर को बहुत क्रोध आया इसलिए उसने बीरबल को दरबार से बाहर निकाल दिया।
प्र०2 अकबर ने अपने राज्य में क्या घोषणा करवाई?
उ० अकबर ने अपने राज्य में यह घोषणा करवाई कि जो व्यक्ति दरबार में आधी धूप और आधी छाया में आएगा उसे मुँह माँगा इनाम दिया जाएगा।
प्र०3 राजा की घोषणा के बाद उसके दरबार में कौन आया और कैसे आया?
उ० राजा की घोषणा के बाद एक व्यक्ति दरबार में पहुँचा जो सिर पर चारपाई रखकर आया था।

वाक्यांश के लिए एक शब्द (पढ़ें व याद करें)

1. मूर्ति बनाने वाला — मूर्तिकार
2. लकड़ी का काम करने वाला — बढ़ई
3. सोने के आभूषण बनाने वाला — सुनार
4. कपड़े धोने वाली — धोबिन
5. राज्य करने वाला — राजा / शासक

अभ्यास-कार्य

1. एक शब्द में उत्तर लिखिए—

प्र०। सिर पर चारपाई रखकर आने वाले व्यक्ति को किसने भेजा था?
प्र०2 लकड़ी का काम करने वाले को क्या कहते हैं?
प्र०3 कपड़े धोने वाली को क्या कहते हैं?

2. सही विकल्प चुनिए–

1. दरबार में आने वाला व्यक्ति था–
   (i) मूर्तिकार ☐ (ii) बढ़ई ☐

2. मूर्ति रखी गई–
   (i) सात ☐ (ii) दस ☐

3. मूर्तिकार को पहचाना–
   (i) अकबर ने ☐ (ii) बीरबल ने ☐

4. राजा ने महल से बाहर निकाल दिया–
   (i) बीरबल को ☐ (ii) राजकुमार को ☐

5. व्यक्ति सिर पर क्या रखकर लाया–
   (i) घड़ा ☐ (ii) चारपाई ☐

3. खाली जगह भरिए–

1. अकबर के दरबार में कई मंत्री थे, वे सभी बहुत _____ थे।
2. राजा बुद्धिमान लोगों की बहुत _____ करता था।
3. अकबर के सभी दरबारी बीरबल से _____ करते थे।
4. बादशाह की यह घोषणा _____ के कानों तक पहुँच गई।
5. बीरबल की इस चालाकी पर अकबर को बहुत _____ आया और उसने बीरबल को _____ से बाहर निकाल दिया।

4. सही(✓) और गलत(✗) का निशान लगाइए–

1. अकबर बीरबल को बहुत चाहता था। ☐
2. एक दिन राजा के दरबार में एक भिखारी आया। ☐
3. अकबर ने कहा ठीक है, तुम अपनी बात बताओ मूर्तिकार। ☐
4. बीरबल ने मूर्तिकार को पहचान लिया। ☐
5. बीरबल ने कहा- जब मैंने उन मूर्तियों की निंदा करनी आरंभ की तो मूर्तिकार की आँखें लाल हो गई, जिससे मैंने उसे पहचान लिया। ☐

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. बुद्धिमान
2. उपाय

END